

भिनिगु तीर्थया म्ये

त्वाया कजी
बेखानारायण मानन्धर
(चस्वाँदो)

नेपाल सम्बत् १०५१ साले अष्टमीव्रत ग्वोम्ह प्रेमबहादुर
मानन्धर चस्वाँदो
तीर्थपति थव म्ये ग्वया हातावोम्ह चैत्यनारायण मानन्धर
दिवंगत जुयादिम्ह स्वामी श्री प्रष्टनारायण मानन्धरया नामं
नमस्देवी न्यतपाचो

प्रकाशक :

चन्द्रमाया मानन्धर

डल्लु

ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

जो ८०२६

पूण्यतीर्थया म्ये

(१)

राग:- धनाश्री

ताल:- जति

मञ्जुश्रीनं बास विलः नागराजापिन्त ॥ धु० ॥

बागमती अमोघ फलदायनी संगम जूगु पुण्य तीर्थ

सोधन तीर्थसं तिक्त नागराजा

बास याना दिल वस्पोलं ॥ १ ॥

तीर्थसं सेवा याना बालुकाया चैत्य थाना ॥

होम आदि पूजा याना उपोसत व्रत दना

माहारोग शान्त जुये माल ॥ २ ॥

नाग खना गरुडनं यने धका ल्वाना चवन ॥

नारायण लोकेश्वर हरिहरवाहनजुया चंगु नारायण लोकेश्वर ॥ ३ ॥

चैत्य अनाथ सिसे दोन दक्खो ल्हामा यासे ॥

दशांकुसल पाप फुका दश पारमिताय—

लाका सुखावती बास वियेमाल ॥ ४ ॥

शान्त तीर्थया म्ये

राग:- कोला

ताल:- चो

जय गुह्ये काली जगत जननी शान्त तीर्थ दयकाव ॥ धु० ॥

बागमती मारदायनी शान्त तीर्थ सं ॥

सोम सुखी नाग राजां वासयाना दिल ॥ जय ॥ १ ॥

माहादेवं ल्हापु याना पार्वती बिस्युवना ॥

गुह्येश्वरी शरण कया गुपतन तोकपुया ॥ जय ॥ २ ॥

तीर्थसं सेवा याना बालुकाया चैत्य थाना ॥

उपोसत व्रत दना क्रोध शान्त जुयमाल ॥ ३ ॥

ब्रह्मा, विष्णु, महेश्वरं पूजायाना चोन अन ॥

पारवती वरदान फोनाव यन ॥ जय ॥ ४ ॥

शंखमोलया म्ये

राग:-श्री

५८८८

ताल:-जति

वागमती मणिरोहिनी रुद्र धारा शंखमोले ॥ ध्रु० ॥
 शंखमोल तीर्थसं शंखपाल नागराजा ॥ बाग ॥ १ ॥
 पाँचाल देशया गोपाल साः जोवल
 तितिसि खाना धोपे टुन ॥
 धर्मकुवल बानरं याना गोपाल तरे याना बील । बाग ॥ २ ॥
 गोपाल बानर नये धका लोंत कयका स्वायतेन ॥
 अघोर पाप लामा महारोग जुया वन ॥ बाग ॥ ३ ॥
 वाके छवत महाराजं जंगलसं पापीयात ॥
 शंखमोल तीर्थसं सेवा याना तरे जुल ॥ बाग ॥ ४ ॥

राज तीर्थया म्ये

राग:-वसन्त

५८८८

ताल:-परता

पचली भैरवनाथ बागमती तीरसं बिज्यात ॥ ध्रु० ॥
 बागमती गंगासं राग मञ्जीरी नदी संगम जगु तीर्थसं ॥
 जुजु तीर्थसं स्वरूप नाग राजां बास याना दिल् अन
 राज्ये वर्दानं बिये धका ॥ पचली ॥ १ ॥
 बन्धु मती देशया वरण महाजनया पुच व अलिङ्गना जुया ॥
 देशे उपद्र याना लोक दक्को हाः हाः याका
 फोना २ नय मखना व ॥ पचली ॥ २ ॥
 ज्ञानी गुनी लोकसेनं व बालख खनाव तीर्थसं सेवा याके छवत ॥
 तीर्थसं सेवा याना बालुकाया चैत्य थाना
 राज्ये फल पद लाका चवन ॥ पचली ॥ ३ ॥

वरण महाजन धव देशे धेनकाव पुत्रयाणु खबरसं जुल

राज तीर्थ धेनकाव पुत्रबात खनायेना

राजा जुया सुख भोग चोन ॥ पचली ॥ ४ ॥

मनोरथ तीर्थया म्ये

तो २८८८

राग:-वसन्त

ताल:-परता

क्रकुळन्द तथागवं केश चुइके हल ॥ ध्रु० ॥
 केसवति बिमलवति मनोरथ तीर्थसं कुलिक नागराजा बास ॥
 अपूर्व मृगयात पाँचाल राजा खना
 स्याथ धका लितु लिना जुल ॥ १ ॥
 तीर्थसं मृग सिना ध्याप्रया जन्म काल
 राजा सिना बराह जुल ॥
 पूर्वया शत्रु जुया अघोरं युद्ध याना
 तीर्थसं सिना हरे जुल ॥ २ ॥
 देवराज ईन्द्र ध्रुगुली पुण्य खना
 तीर्थसं सेवा याना जुल ॥
 मनहरा मिसा छम्ह तीर्थसं सेवा याना
 इन्द्रावनी पद लाका चवन ॥ ३ ॥
 स्वर्गसं इन्द्र महु रति विरति बया
 तीर्थसं सेवा याना चवन ॥
 मनोहरा देवी वाके भिक्षा फोना
 इन्द्र यना स्वर्गसं भोग याना चवन ॥ ४ ॥

निर्मल तीर्थया म्ये

राग:-मालश्री

मालश्री

ताल:-जति

निर्मल तीर्थसं विज्यात श्री जोगिनी

आकाश वाणी जुयाव रे ॥ ध्रु ॥

केशावति कुशुमावति निर्मल तीर्थसं

अपलाल नाग राजा बास रे ॥

पाँचाल देशया वज्रपादकं

अर्थदान याना जुल रे ॥ १ ॥

देश पति सेनानं फल काय मफयाव

विरहनं नेपालसं वल रे ॥

नेपालसं थनकाव निर्मल तीर्थसं

जप तप ध्यान याना चोन रे ॥ २ ॥

तीर्थसं सेवा याना बाजुकाया चैत्य थाना

मशानसं जप याना चोन रे ॥

ईश्वरी प्रतल जुया आकाशनाली जुया

भट्ट सिद्धि फल विया बिज्यात रे ॥ ३ ॥

चैत्यया प्रभावनं देवी प्रतल जुया

भक्तजन रक्षा याना चवन रे ॥

अज्ञानी बालख सिसे बाल समुमाजु जुसे

बाल जन रक्षा याना चवन रे ॥ ४ ॥

निधान तीर्थया म्ये

राग:-जय जयन्ति

जयजयन्ति

ताल:-चवो

दीनचूद

राजकुमार

करुणाया

धनी ॥ ध्रु ॥

सन अन द्विता नया

फुतकल

जन

धन ॥

जुल अन विपरित

फोना नया

अन ॥ दीन ॥ १ ॥

वल थन नेपालसं ध्यान निधान तीर्थसं ॥

नल थन पित्यानाव न्यालाना कचिकनं ॥ दिन ॥ २ ॥

केसावति सुवर्णावति निधान तीर्थसं ॥

नन्द उपनन्द नागराजा चोनथास ॥ दीन ॥ ३ ॥

तीर्थसं सेवा याना चैत्य थाना पूजा याना ॥

फल बिल नाग राजा सुवर्णया घत ॥ ४ ॥

ज्ञान तीर्थया म्ये

राग:-विभास

कलखशी

ताल:-लंता

अज्ञान शोधन राजा विरहनं नेपालस वल ॥ ध्रु ॥

थव राज्य माहारानी मन्त्रीगण पनिसेन

अपमान याना जगु खना ॥

सह याय मफु मन दुखनं राज्य तोता वल थन ॥ १ ॥

केशावति माप नासिनी व अज्ञान तीर्थसं

बालसुखी नाग राजा बास रे ॥

व अज्ञान शोधन राजा तीर्थसं

सेवा यानाचवन अन ॥ अज्ञा ॥ २ ॥

आकाश वाणी जुया तीर्थनं आज्ञा जुल

दको पाप फुत राजा आव ॥

तीर्थसं मृतु जुया राजकुले जन्मकाल वन अन ॥ अज्ञा ॥ ३ ॥

शत्रु दको पितुनाव दुख दको फुतकाव

धरमा राज्य भोग यात ॥

तीर्थया पुण्य याना तरेजुया सुखावती बास लात

अज्ञान सोधन राजा विरहनं नेपालस वल ॥ ४ ॥

चिन्तामणि तीर्थया म्ये

रागः-रामकली

ते को ३५१८

तालः-चो

न्योहुने श्रीभगवान जिगु दुख विनति आये ॥
 परापूर्व कालसं बसग्राम नगरसं सेन महाजन छल्ल दत्त
 वयापुत्र कोतिकर्ण मामयाके बिदाकया
 रत्नाकर बन्धन धका पासा दको मुनकाव वन ॥ १ ॥
 जंगलस धनकाव कालवायु वयाव फखनं कोतिकर्ण यन ॥
 ऊँथन यनकाव कर्मभूमी धनकाव प्राणिपिनि दुख कष्ट
 कसाईया कर्मस भोग कयम ॥ २ ॥
 प्रेतयागु बुख न्यना थव मन अतिज्ञाना
 विरहनं बस प्राप्ते वल ॥
 थव देश धनकाव कसाईया बुख कनाव
 थव मृतु जुल धका न्हगु सतः शीलापत्र खन ॥ ३ ॥
 बागमति केशावति चिन्तामणि तीर्थसं बरुण नागराजा बास ॥
 चिन्तामणि तीर्थसं बुद्ध चैत्य दयकाव जप तप—
 ध्यान याना बुद्धयागु शरणसं वन ॥ ४ ॥

प्रमोद तीर्थया म्ये

रागः-सीरथ

या १८६१ २७२०

तालः-परता

दानासुर दैत्य पातालन थाहां विज्यात ॥ धु० ॥
 बागमति रत्नावति प्रमोद तीर्थ स ॥
 पदम धवल नागराजा बासयाना कवनथास ॥ १ ॥
 तारण तथा अन जपबप ध्यान याना ॥
 इन्द्राशन दंगेजुवा अपसरा अनवथा ॥ २ ॥

प्याखं हुया धनचुइका तपस्या मजीके धका ॥
 तपस्यानं जीतेयाना देवलोका हतेयाना ॥ ३ ॥
 ब्रम्हा विष्णु महेश्वर बुद्धया शरणे बना ॥
 बुद्ध नं दैत्ययात साम्त याना तीरे ब्रवत ॥ ४ ॥

सुलक्षण तीर्थया म्ये

रागः-श्री

को वा २

तालः-परता

प्रत्यक बुद्धया आज्ञान ॥ धु ॥
 कुशीनगर देशया रत्नाकर माहाजनया पुत्र व अलछीना जुया ॥
 राजा याँ मन्त्री याँ पुत्र निम्ह अलछिन्हा जुयाचवन ॥ १ ॥
 लोक दको हाहाकार जुल वा मगाना देश उपदर जुल ॥
 बने बाका दुख जुइका खबया खबया फोना जुजु तीरे धन ॥ २ ॥
 वाक्यमति चारोमति सुलक्षण तीर्थसं
 महा पदमधवल नागराजा ॥
 तीर्थसं सेवायायाँ सुलक्षण जुयकाव देशे वया ॥ प्रत्येक ॥ ३ ॥
 राजाया मन्त्रीयाँ पुत्र निम्ह तीरे यना
 सुलक्षण याना जीनं हया ॥
 देससुबीक्षजुल सुलक्ष्मीन तीर्थसं
 मृतुजुवा तीर्थक देव पुत्र जुल ॥ ४ ॥

जये तीर्थया म्ये

रागः-मालश्री

२२५ २५३०

तालः-जति

कुलचोमाजु बसुंधरा देविनं पुत्र बरदान बिल रे ॥ धु ॥
 बातालस चवनम्ह दानव दैत्यया भाज्य नाव कलह जुल रे ॥
 दानवया पत्नी नं सहसाय मफवाव
 बागमति तीरसं विज्यातरे ॥ १ ॥

(८)

तीरथस सेवायाना वालुकाया चैत्य थाना
जप तप ध्यान याना चवन रे ॥
देवी बसुंधरा प्रशन्नजुयाव प्रभावति वहनकावबिलरे ॥ २ ॥
बागमति प्रभावति जय ज्वीगु तीरथसं
श्री कान्ती नागराजा वासरे ॥
दानव दैत्यया थव इस्त्री मंदयाव बागमति तीरे मालजुलरे ॥ ३ ॥
दानव दैत्यनं तीरथसं सेवा याना थव इस्त्री पुत्रीयात खनरे ॥
तीर्थया प्रभावनं चतुरवर्ग फल लाना
जये जये जुयकाव चवन रे ॥ ४ ॥

मणिचूडया म्ये

(मणिचूड ग्वारा)

शाक्येकेतु नगर स मणिचूड महाराजा
वया पत्नी पद्मावति वया पुत्र पद्मोदर
रागः-श्री तालः-लन्ता
मणिचूड महाराजा प्रभु मणिदान याना व विज्यात ॥ ध्रुवा ॥
भवभुगती ऋषियात धर्मदान याय धका ॥
निरधना जज्ञयात जज्ञदथु राक्षस वल थव लाहि मांसदानयात ॥ १ ॥
जज्ञ पूर्णयाना भद्रगौरी दान आत
दुरुपसराजाखना अभिमानयानावन भद्रगिरिकिसिमवियाव ॥ २ ॥
मणिचूड पर्वते तपस्यायाना विज्यात ॥
मारिन्चीऋषियात पद्मावति पद्मोदर दानयाना मनथिरयात ॥ ३ ॥
दुरुपस राजा वया संग्रामनं त्याके धका ॥
पद्मोदर राजानाप संग्रामन वुतकाव विरहनं थवराज्य वन ॥ ४ ॥
दुरुपस राजायाथाय महामायरी रोग जुल ॥
मणि दान वियाह्वत मणिगिदहनसं सुखावति वासलानावन ॥ ५ ॥